IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 8, April 2023

हिन्द महासागर में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और भारतीय सुरक्षा

डॉ. राजीव कुमार सिंह
सैन्य विज्ञान विभाग
शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय, रीवा, म.प्र., भारत

शोध सारांश :–

हिन्द महासागर प्रशान्त और अटलांटिक महासागर के बाद विश्व का तीसरा सबसे बड़ा महासागर है, जो भारत के कन्याकुमारी से दक्षिणी ध्रुव अंटार्टिका तक फैला हुआ है। वर्तमान समय में हिन्द महासागर विश्व का एक ऐसा क्षेत्र है जो अस्थिर और अशान्त है। राजनीतिक हलचल भी महाशक्तियों की प्रतिद्वन्दिता, इसोत्र की मूल विशेषताएं हैं। जब से नौ सैनिक शक्ति के महत्व को समझा जाने लगा है, विशेषकर द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात् से ही यह क्षेत्र संघर्ष, तनाव और टकराव का केन्द्र बन गया है।

मुख्य शब्द :–हिन्द, महासागर, प्रतिस्पर्धा, भारतीय, टकराव, महाशक्ति, प्रतिद्वन्दिता, सुरक्षा, विश्वयुद्ध आदि।

संदर्भ सूची :–

[1]. 'आधुनिक स्त्रतेजिक विचारधारा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा'', डॉ. अशोक कुमार सिंह, पृ.क्र. 508–523
[2]. "राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा'' डॉ. लल्लन जी सिंह, पृ. क्र. 565–582
[3]. "मार्डन राष्ट्रीय रक्षा व सुरक्षा'' डॉ. सुरेन्द्र कुमार मिश्र, पृ. क्र. 178–191
[4]. "अन्तराष्ट्रीय सम्बन्ध'' डॉ. बी. एल. फडिया, पृ. क्र. 505–511
[5]. ''प्रतियोगिता दर्पण'' दिसम्बर 2017, पृ. क्र. 91–92
[6]. 'स्त्रातेजिक (युद्धनीतिक) अध्ययन' डॉ. लल्लन जी सिंह, पृ. क्र. 342–364
[7]. "हिन्द, प्रशान्त क्षेत्र में भारतीय सामुद्रिक रणनीति प्रो. हरिशरण एवं प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा, पृ. क्र. 74–110
[8]. "स्त्रातेजिक विचारधारा उद्भव एवं विकास" डॉ. रामसूरत पाण्डेय, पृ. क्र. 204–214
[9]. 'राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अन्तर्राष्ट्रीय संबंध'' डॉ. बाबूलाल पाण्डेय एवं डॉ. रामसूरत पाण्डेय पृ. क्र. 188–207
[10]. "राष्ट्रीय सुरक्षा" डॉ. ओम प्रकाश तिवारी, पृ. क्र. 278दृ289
[11]. ''राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा'' डॉ लल्लन जी सिंह, पृ. क्र. 632–654
[12]. ''राष्ट्रीय सुरक्षा'' डॉ. अशोक कुमार सिंह, पृ. क्र. 336–337